

**मटियामसान** वि. (देश.) 1. बहुत ही तुच्छ या हीन 2. टूटा फूटा या नष्ट प्रायः।

**मटियामेट** पुं. (देश.) पूरी तरह से किया जाने वाला नाश, सर्वनाश, जिस तरह बच्चे मिट्टी का ढेर बनाकर स्वयं उसे नष्ट करते हैं ठीक उसी प्रकार स्वयं नष्ट करने वाली क्रिया।

**मटियार** पुं. (देश.) चिकनी मिट्टी वाला स्थल जो कि बहुत उपजाऊ होता है।

**मटियार दुम्मट** स्त्री. (देश.) ऐसी भूमि जिसमें मटियार और दुम्मट नामक दोनों प्रकार के तत्व हो।

**मटियाला** वि. (देश.) मटमैला, धूसर।

**मटीला** वि. (देश.) मुकुट।

**मटुका** पुं. (देश.) दे. मटका।

**मट्टी** स्त्री. (देश.) दे. मिट्टी।

**मट्ठर** वि. (देश.) काम-काज करने या चलने-फिरने में सुस्त।

**मट्ठा** वि. (देश.) दे. मट्ठर पुं. छाछ, मठा।

**मट्ठी** स्त्री. (देश.) मठरी, एक नमकीन खाद्य पदार्थ।

**मठ** पुं. (तत्.) 1. साधु संन्यासियों के लिए रहने का स्थान 2. बौद्ध भिक्षुओं के रहने का भवन 3. देवालय, मंदिर।

**मठधारी** पुं. (तत्.) वह साधु या महंत जो मठ का प्रधान या अधिकारी हो, मठाधीश।

**मठपति** पुं. (तत्.) दे. मठधारी।

**मठर** वि. (तद्.) जो नशे में हो, मद मत्त पुं. एक प्राचीन ऋषि।

**मठरना** पुं. (देश.) स्वर्णकारों आदि का एक उपकरण जिससे वे धातु के पत्तरों या चददरों को पीटते हैं अ.क्रि. पत्तर, चददर आदि का उक्त उपकरण से पीटना स.क्रि. दे. मठारना।

**मठरी** स्त्री. (देश.) मट्ठी, एक नमकीन खाद्य पदार्थ जो घी आदि में आटे या मैदे की बनी टिक्की सेंक कर बनाई जाती है।

**मठा** पुं. (तद्.) पानी मिलाकर मथा हुआ दही जिसमें से मक्खन निकाल लिया गया हो, छाछ, मट्ठा।

**मठाधीश** पुं. (तत्.) साधु-संन्यासियों के रहने के भवन या आश्रम के अधिकारी, मठपति (साधु-संन्यासियों, धार्मिक संप्रदायों, बौद्ध भिक्षुओं आदि के रहने, सत्संग करने का भवन मठ के नाम से जाना जाता है।)

**मठी** पुं. (तत्.) मठ का अधिकारी, मठपति।

**मठोठा** पुं. (देश.) कुएँ के चारों तरफ बना चबूतरा या जगत।

**मठोर** स्त्री. (तद्.) दही में से निकले मट्ठा को रखने का (मिट्टी का) बड़ा पात्र या मटका।

**मड़ई** स्त्री. (तद्.) मंडपी, झोपड़ी, कुटिया, मंडप का छोटा रूप।

**मड़क** स्त्री. (तद्.) आंतरिक रहस्य।

**मड़वा** पुं. (तद्.) दे. मँड़वा।

**मड़ाड़** पुं. (देश.) छोटा तालाबनुमा गड्ढा या कच्चा तालाब।

**मड़ैया** स्त्री. (तद्.) दे. मड़ई।

**मढ़ाई** स्त्री. (देश.) 1. मढ़ाने का भाव या क्रिया 2. मढ़ाने की मजदूरी या मेहनताना।

**मणि** स्त्री. (तत्.) 1. मूल्यवान रत्न, पत्थर या नगीना 2. श्रेष्ठ व्यक्ति (किसी समुदाय के श्रेष्ठ व्यक्ति या वस्तु के साथ मणि शब्द लगाकर उसकी श्रेष्ठता सिद्ध की जाती है) जैसे- भक्तमणि, संतमणि आदि।

**मणिकंकण** पुं. (तत्.) मणि से जड़ा कंकण, या रत्नजटित कंकण।

**मणिकर्णिका** स्त्री. (तत्.) 1. कान का आभूषण जिसमें मणि जड़ित हो 2. बनारस का एक प्रसिद्ध घाट टि. लोकप्रसिद्ध है कि दक्षयज्ञ के विध्वंस में जब सती का शव लेकर शिव भूमंडल पर यत्र-तत्र गए तो सती का कर्णाभूषण वाराणसी में गंगा में जहाँ गिरा उस घाट का नाम मणिकर्णिका घाट पड़ा। इस घाट पर प्रायः शवदाह किया जाता है; बनारस के डोम राजा ने राजा हरिश्चंद्र को खरीदकर मणिकर्णिका घाट पर शवदाहकों से कर वसूलने के लिए नियुक्त किया था।